बुद्धं शरणं गच्छामि

प्रत्येक व्यक्ति के लिए किसी भी लोक में बुद्धं शरणं गच्छामि नामक सूत्र जन्मों तक याद रहना चाहिए अन्यथा शरणं नास्ति। पूर्वजन्मों में, बीच के जन्मों में या आखिरी जन्म में इस सूत्र के अलावा अन्य कहीं शरण मिल पाना असंभव है।

बच्चों से लेकर बूढ़ों तक,मूर्ख से पंडितों तक, साधारण लोगों से असाधारण लोगों तक और शैशवात्माआं से वृद्धात्माओं तक सब को समान रूप से आवश्यक और उन्नति करने वाला मार्ग बुद्ध मार्ग ही है। इसके अतिरिक्त और कोई मार्ग नहीं है।

बुद्ध की हर बात दिव्य है।

बुद्ध की हर नज़र दिव्य है।

बुद्ध का हर गमन दिव्य है।

बुद्ध का हर मौन दिव्य है।

बुद्ध से किया गया ध्यान ही ध्यान है।

बुद्ध द्वारा प्रबोधित ज्ञान ही ज्ञान है।

बुद्ध की ज़िंदगी ही सच्ची ज़िंदगी है।

पिरामिड ध्यानियों की ध्यान, ज्ञान और जीवन रीति बुद्ध के समान ही होनी चाहिए। इस लक्ष्य पूर्ति के लिए जीवन भी अर्पण है।

बुद्धं शरणं गच्छामि–बुद्धं शरणं गच्छामि।